८. गजल

–माणिक वर्मा

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो ।

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो ।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो ।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

(‘गजल मेरी इबादत है’ से)

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९३८, उज्जैन (म.प्र.)
परिचय : हास्य-व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर माणिक वर्मा जी वाचिक परंपरा में प्रमुख स्थान रखते हैं । आपके व्यंग्य बड़े ही धारदार होते हैं। आपकी गजलें बहुत ही प्रेरणादायी होती हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : ‘गजल मेरी इबादत है’, ‘आखिरी पत्ता’ (गजल संग्रह), ‘आदमी और बिजली का खंभा’, ‘महाभारत अभी जारी है’, ‘मुल्क के मालिको जवाब दो’ आदि ।

पद्‍य संबंधी

प्रस्तुत गजल के अधिकांश शेरों में वर्मा जी ने हम सबको जीवन में निरंतर अच्छे कर्म करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है । गजलकार ने संदेश देते हुए कहा है कि अपने रूप-रंग से सुंदर दिखने के बजाय अपने कर्मों से सुंदर दिखना आवश्यक है ।

शब्द संसार

स्वर्णिम पुं.वि.(सं.) = सोने के रंग का/सुनहला
गर्द स्त्री.सं.(फा.) = धूल
शक्ल स्त्री.सं.(अ.) = चेहरा
धुंध स्त्री.सं.(सं.) = धुआँ, कोहरा

स्वाध्याय

✲ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(१) गजल की पंक्तियों का तात्पर्य :

१. नींव के अंदर दिखो ------------
२. आईना बनकर दिखो ------------

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

मनुष्य से अपेक्षाएँ

(३) जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

१. भीड़
२. जुगनू
३. तितली
४. आसमान

(४) निम्नलिखित पंक्तियों से प्राप्त जीवनमूल्य लिखिए :

१. आपको महसूस -------
------- भीतर दिखो ।
२. कोई ऐसी शक्ल -------
------- मुझे अक्सर दिखो ।

(५) कृति पूर्ण कीजिए :

गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

(६) कवि के अनुसार ऐसे दिखो :

अभिव्यक्ति प्रस्तुत गजल की अपनी पसंदीदा किन्हीं चार पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए ।

उपयोजित लेखन 'यदि मेरा घर अंतरिक्ष में होता,' विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लेखन कीजिए ।

BP9EXA